Management (प्रबंधन)

Part – C
2 MARKS

RAS 2016 SPECIAL MAINS (GS-I)

1. What do you mean by 'Span of Control'?
'नियंत्रण के विस्तार' से आपका क्या आशय है?

- नियंत्रण के विस्तार सिद्धांत का अर्थ है- अधीनस्थों या कार्य की इकाइयों की वह संख्या जिसे कोई अधिकारी व्यक्तिगत तौर पर निर्देशन, नियंत्रित और निरीक्षित कर सकता है। इसे 'नियंत्रण का दायरा' नाम से भी जाना जाता है।

2. Why controlling function of management is the most significant?
नियंत्रण प्रबन्ध कार्य सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण क्यों है?

- **नियंत्रण प्रबन्ध का महत्त्व-**
  1. इससे योजना, आयोजन और प्रमुख गतिविधियों की प्रभावशीलता की निगरानी करने में मदद मिलती है।
  2. प्रदर्शन का मूल्यांकन करना और यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक उपाय करना ताकि प्रदर्शन योजना के अनुसार हो।
  3. इसके तहत् प्रक्रिया की खामियाँ देखी जाती हैं और प्रक्रिया को गलतियों से मुक्त किया जाता है।

3. Explain relationship between price and value.
कीमत एवं मूल्य के सम्बन्धों की व्याख्या कीजिए।

- कीमत से तात्पर्य किसी उत्पाद के उत्पादन के लिए पूँजी, श्रम आदि के आदानों से है, जिसका खर्च कंपनी द्वारा वहन किया जाता है जबकि मूल्य से तात्पर्य किसी उत्पाद और सेवा के बदले विक्रेता द्वारा भुगतान की गई राशि से हैं।

4. Define product Width.
उत्पाद चौड़ाई को परिभाषित करें।

- कंपनी द्वारा विक्रय के लिए प्रदर्शित की जाने वाली उत्पाद लाईन की कुल संख्या को उत्पाद की चौड़ाई कहते है। जैसे– सैमसंग कंपनी कम्प्यूटर, मोबाइल, घरेलू उपकरण आदि का उत्पादन करती है। इसलिए सैमसंग की उत्पाद चौड़ाई व्यापक है।

5. Define Induction.
आगमन को परिभाषित कीजिए।

- **आगमन–** नए भर्ती किए गए कर्मचारियों को स्वागत करने और उनकी नई भूमिकाओं और काम के माहौल में समायोजित करने के लिए उनका समर्थन करने की प्रक्रिया 'आगमन' कहलाती हैं। एक नया काम शुरू करने में एक तनावपूर्ण अनुभव हो सकता है इसलिए यह नए कर्मचारियों को समायोजन में मदद करती है।

RAS 2016 MAINS (GS-I)

1. What do you mean by delegation?
भारार्पण से आपका क्या आशय है?

- संगठन के दक्षतापूर्ण संचालन के लिए उच्च प्रबंधक द्वारा अपने अधीनस्थ को कार्यभार सौंपना तथा उसके कर्त्तव्य व उत्तरदायित्व सुनिश्चित कर के कर्त्तव्य पालन हेतु उचित अधिकार देना 'भारार्पण' कहलाता है।

2. What constitutes 'Marketing Mix' for a service?
सेवा हेतु 'विपणन संमिश्र' में क्या समाहित है?

- सेवा हेतु 'विपणन संमिश्र' में निम्नलिखित तत्त्व समाहित हैं–
  1. उत्पाद (Product)
  2. मूल्य (Price)
  3. स्थान (Place)
  4. संवर्धन (Promotion)

3. What is 'Capital Structure' of a company?
एक कंपनी की 'पूँजी संरचना' क्या है?

- पूँजी सरंचना वित्तीय संरचना का वह भाग है जो एक कंपनी द्वारा अपने समग्र संचालन और विकास के वित्तपोषण के लिए उपयोग किए जाने वाले ऋण और इक्विटी का विशेष संयोजन है। उपर्युक्त पूँजी संरचना का निर्णय करना वित्तीय प्रबंधन का महत्त्वपूर्ण निर्णय है क्योंकि यह फर्म के मूल्य की निकटता से संबंधित है।

4. Distinguish between 'Recruitment and Selection'.
भर्ती एवं चयन में अंतर कीजिए।

भर्ती	चयन
1. यह संभावित कर्मचारियों को ढूंढने की प्रक्रिया है।	1. यह भर्ती के समय बनाए गए संभावित प्रत्याशी निकाय में से कर्मचारियों को चुनने की प्रक्रिया है।
2. यह संगठन के रिक्त पदों पर आवेदन करने हेतु प्रेरित करती है।	2. यह प्रक्रिया संस्था में योग्य व्यक्तियों की नियुक्ति करती हैं।
3. खाली पदों के लिए पर्याप्त संख्या में आवेदकों को आवेदन के लिए आकर्षित करना भर्ती का उद्देश्य है।	3. इसका उद्देश्य संगठन में नौकरी हेतु सही उम्मीदवार का चयन करना है।
4. इसमें पात्र उम्मीदवार और संगठन के बीच किसी तरह का कोई अनुबंध नहीं होता है।	4. जबकि चयन में नियोजित व्यक्ति और संगठन के बीच रोजगार का अनुबंध होता है।

5. What do you understand by 'Ordinary Share'?
'साधारण अंश' से आप क्या समझते हैं?

- साधारण अंश का तात्पर्य उस अंश से है, जिसमें इसके निवेशक कंपनी के स्वामित्वधारी होते हैं तथा जिन्हें कंपनी में प्रबंध एवं मतदान का अधिकार प्राप्त होता है।

RAS 2018 MAINS (GS-I)

1. What is the Principle of Unity of Direction?
निर्देशन की एकता का सिद्धान्त क्या है?

- निर्देशन की एकता के सिद्धांतानुसार समान उद्देश्य की पूर्ति करने वाली सभी क्रियाएँ एक ही अध्यक्ष के अधीन होनी चाहिए अन्यथा आदेशों में दोहराव और परस्पर टकराव की स्थिति उत्पन्न होती है।

2. What do you mean by informal organisation?
अनौपचारिक संगठन से आप क्या समझते हैं?

- ऐसा संगठन जिसका निर्माण व्यवस्थित या नियोजित रूप में नहीं होता तथा कार्य करते समय कर्मचारियों में स्थापित होने वाले आपसी तालमेल तथा कर्मचारियों की अंत: क्रिया से प्रारम्भ होने वाला सामाजिक संबंधों का तंत्र, अनौपचारिक संगठन कहलाता है।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 91166 91119

3. Explain sustainable marketing in brief.
संधारणीय विपणन विचार को संक्षेप में समझाइये।

- संधारणीय विपणन विचार की अवधारणा में ऐसे उत्पादों का संवर्धन किया जाता है, जिनसे पर्यावरणीय व सामाजिक उत्तरदायित्वों की पालना सुनिश्चित हो सके तथा दीर्घावधि के लिए पर्यावरण संरक्षण हो सके।

4. What is "Commercial Paper" as an instrument for short term finance?
अल्पकालीन वित्त के उपकरण के रूप में 'व्यापारिक पेपर' क्या है?

- व्यापारिक पेपर एक अल्पकालिक, असुरक्षित वचन पत्र है, जिसके द्वारा बड़ी कम्पनियाँ मुद्रा बाजार से अल्प समय के लिए बाजार दर से कम दर पर वित्त जुटाती हैं। इसकी परिपक्वता अवधि प्राय: 15 दिन से लेकर 1 वर्ष तक होती है।

5. What do you understand by Semantic Barriers' in communication?
संचार में 'अर्थपूर्ण बाधाओं' से आप क्या समझते हैं?

- संचार में अर्थपूर्ण बाधाएँ संदेश की एनकोडिंग तथा डिकोडिंग करने की प्रक्रिया में उन्हें शब्दों व संकेतों में परिवर्तित करते समय उत्पन्न होती है। यह गलत शब्दों के प्रयोग, त्रुटिपूर्ण रूपांतरण एवं भिन्न अर्थ निकालने के कारण होती है।

RAS 2021 MAINS (GS-I)

1. Define Supply Chain Management.
आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन (एस.सी.एम.) को परिभाषित कीजिए।

- आपूर्ति श्रृंखला (कच्चे माल के क्रय से लेकर निर्मित माल को अंतिम उपभोक्ता तक पहुँचाने के चरण) के संचालन को यथासंभव प्रभावी ढंग से नियोजित, कार्यान्वित एवं नियंत्रित करने की प्रक्रिया को ही आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन कहते हैं।

2. What is the objective of Startup India Scheme?
स्टार्टअप इंडिया योजना का उद्देश्य क्या है?

- इस योजना को 16 जनवरी, 2016 को लॉन्च किया गया था।

उद्देश्य –

(i) देश में नवाचार के पोषण एवं नवोदित उद्यमियों को अवसर प्रदान करना।
(ii) एक मजबूत स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना।
(iii) उच्च रोजगार एवं धन सृजन वाले स्टार्टअप्स को पहचानना तथा उन्हें पुरस्कृत करना।

3. Write any four charachteristics of charismatic leader.
करिश्माई नेता की कोई चार विशेषताएँ लिखिए।

- करिश्माई नेता के नेतृत्व में–

(i) आदेश की एकरूपता होती है।
(ii) कम समय में कार्य निष्पादन करने की क्षमता होती है।
(iii) संसाधनों का कुशलतम उपयोग एवं दक्षतापूर्ण कार्य करने की क्षमता।
(iv) प्रबल आत्मविश्वास एवं दूरदर्शिता पाई जाती है।
(v) परिवर्तन को लागू करने की क्षमता।

4. Highlight any four charachteristics of services.
सेवाओं की कोई चार विशेषताओं को चिह्नांकित कीजिए।

- **(1) अमूर्तता –** सेवाएं अमूर्त प्रकृति की होती है।
- **(2) अविभाज्यता –** सेवाओं को सेवा आपूर्तिकर्ता से अलग नहीं किया जा सकता तथा सेवाओं का उत्पादन एवं उपयोग एक ही समय में किया जाता है।
- **(3) पेरिसेबिलिटी (भंगुरता) –** सेवाओं को भविष्य के लिए संग्रहित नहीं किया जा सकता तथा जिस समय सेवाएँ दी जाए उसी समय उसका उपयोग करना आवश्यक है, नहीं तो हानि होने की संभावना होती है।
- **(4) विषमता –** एक ही सेवा को सभी ग्राहकों को समान रूप से नहीं बेचा जा सकता।

5. Name two prominent stock exchanges of India.
भारत के दो प्रमुख स्टॉक एक्सचेन्जों के नाम बताइए।

स्टॉक एक्सचेन्ज	सूचकांक
(1) बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बी.एस.ई.)	सेंसेक्स
(2) नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एन.एस.ई.)	निफ्टी

RAS 2023 MAINS (GS-I)

1. उत्पाद पोर्टफोलियों की 'गहराई' से क्या तात्पर्य है?
What is meant by 'depth' of product portfolio?

उत्तर- उत्पाद पोर्टफोलियों की गहराई से तात्पर्य किसी कंपनी द्वारा एक ही उत्पाद श्रेणी में पेश किए गए विभिन्न संस्करणों (वेरियंट्स) की संख्या है। जब कोई कम्पनी एक ही उत्पाद श्रेणी अनेक उत्पाद पेश करती है तो उस उत्पाद पोर्टफोलियो की गहराई अधिक मानी जाती है।

उदाहरण- पतंजलि शैम्पू- केश कांति रीठा, केश कांति मिल्की प्रोटिन, केश कांति ऐलोवेरा, केश कांति हर्बन।

2. 'पूँजी संरचना की अप्रासंगिकता' का सिद्धांत किसने प्रतिपादित किया? सिद्धांत भी प्रमुख अवधारण लिखिए।
Who propounded the theory of 'irrelevance of capital structure'? Write the main concept of the theory.

उत्तर- 'पूँजी संरचना की अप्रसंगिकता' का सिद्धांत मोदीग्लियानी और मिलर द्वारा प्रतिपादित किया गया।

इस सिद्धांत के अनुसार किसी फर्म का कुल मूल्य उसकी पूँजी संरचना (ऋण व समता के अनुपात) पर निर्भर नहीं करता है बल्कि यह फर्म भी आय क्षमता और परिसंपत्तियों के जोखिम पर आधारित होता है।

3. नेतृत्व के पथ लक्ष्य सिद्धांत के अन्तर्गत चार नेतृत्व व्यवहार की सूची बनाएँ।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 91166 91119

List four leadership behaviours under the path-goal theory of leadership.

उत्तर- नेतृत्व का पथ लक्ष्य सिद्धांत 1971 में रॉबर्ट हाउस द्वारा विकसित किया गया था।

चार प्रमुख नेतृत्व व्यवहार-

- निदेशक नेतृत्व
- सहयोगात्मक नेतृत्व
- सहभागिता आधारित
- उपलब्धि- उन्मुख नेतृत्व

4. भारत में 'एंजेल निवेशक' के रूप में अर्हता प्राप्त करने के लिए दो मापदंड (सेबी के अनुसार) सूचीबद्ध करें।

List two criteria (as per SEBI) to qualify as an 'Agel Investor' in India.

उत्तर- भारत में 'एंजेल निवेशक' के रूप् में अर्हता प्राप्त करने के लिए सेबी के अनुसार मापदंड-

1. भारत में निगमित कम्पनी होनी चाहिए।
2. निवेशित कम्पनी गैर-सूचीबद्ध होनी चाहिए तथा इसका अधिकतम कारोबार 25 करोड़ का होना चाहिए।
3. एंजल फंड के लिए कम से कम 10 करोड़ रु. की धनराशि आवश्यक है तथा निवेशक द्वारा न्यूनतम निवेश 25 लाख रु. होना चाहिए।

5. MICE का विस्तार करें।

Expand MICE.

उत्तर- एक ऐसी इंडस्ट्रीज को दर्शाता है जो व्यावसायिक पर्यटन से संबंधित होती है जिसमें कम्पनियाँ अपने कर्मचारियों डीलरो या प्रतिनिधियों के लिए व्यवसायिक आयोजन करते हैं।

M – मिटिंग्स- उदाहरण- किसी कंपनी की सालाना बैठक

I – इंसेटिव्स- उदाहरण- टॉप परफॉर्मिंग कर्मचारियों को विदेश यात्रा पर भेजना।

C– कॉन्फ्रेंस- उदाहरण- अन्तरराष्ट्रीय व्यापार सम्मेलन का आयोजन।

E – एग्जीबिशन- उदाहरण- किसी ब्रांड की उत्पाद प्रदर्शनी।

RAS 2024 MAINS (GS-I)

1. 'कैप्टिव-उत्पाद मूल्य निर्धारण' की अवधारणा को समझाइए। दो उदाहरण दीजिए।

उत्तर-

– कैप्टिव-उत्पाद मूल्य निर्धारण वह रणनीति है जहाँ मुख्य उत्पाद को जानबूझकर सस्ता बेचा जाता है ताकि ग्राहक को बंधक बनाया जा सके। इसके बाद, आवश्यक उपभोग्य सामग्रियों (जैसे इंक कार्ट्रिज/ब्लेड) को उच्च कीमत पर बेचकर प्रमुख राजस्व और दीर्घकालिक लाभ कमाया जाता है।

– **उद्देश्य:** मुख्य उत्पाद के माध्यम से ग्राहक आधार बनाना और फिर उच्च मार्जिन वाले सहायक उत्पादों की निरंतर बिक्री से दीर्घकालिक आय सुनिश्चित करना।

उदाहरण:

1. प्रिंटर और इंक कार्ट्रिज: प्रिंटर सस्ते होते हैं, लेकिन स्याही के महंगे कार्ट्रिज नियमित रूप से खरीदने पड़ते हैं।
2. रेज़र और ब्लेड: रेज़र हैंडल अक्सर सस्ते या मुफ्त होते हैं, जबकि ब्लेड रिफिल पैक महंगे होते हैं।

2. 'सामाजिक आवारगी' (Social Loafing) की अवधारणा से आप क्या समझते हैं?

उत्तर-

– 'सामाजिक आवारगी' वह प्रवृत्ति है, जहाँ व्यक्ति सामूहिक कार्य में अकेले काम करने की अपेक्षा कम प्रयास करता है। यह तब होता है जब व्यक्तिगत प्रयास का आकलन नहीं होता, जिससे उत्तरदायित्व का विसरण होता है और समूह की समग्र उत्पादकता में कमी आती है।

3. 'चलायमान मुद्रा' (Hot Money) से आपका क्या तात्पर्य है?

उत्तर-

– 'चलायमान मुद्रा' (Hot Money) वह पूंजी है, जो अल्पकालिक लाभ (उच्च ब्याज दरें या सट्टा) हेतु एक देश से दूसरे देश में तेज़ी से प्रवाहित होती है। यह अत्यधिक अस्थिर होती है, जिसका अचानक बहिर्वाह प्राप्तकर्ता देश में मुद्रा संकट और वित्तीय अस्थिरता पैदा कर सकता है।

4. 'AYUSH' (आयुष) का पूर्ण रूप क्या है?

उत्तर-

– 'AYUSH' (आयुष) भारत में प्रचलित विभिन्न पारंपरिक और वैकल्पिक चिकित्सा प्रणालियों का एक संक्षिप्त रूप है।

प्रत्येक अक्षर एक विशेष चिकित्सा पद्धति का प्रतिनिधित्व करता है:

– A - Ayurveda (आयुर्वेद)
– Y - Yoga & Naturopathy (योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा)
– U - Unani (यूनानी)
– S - Siddha (सिद्ध)
– H - Homeopathy (होम्योपैथी)
- भारत सरकार ने इन पद्धतियों के विकास और प्रचार-प्रसार के लिए आयुष मंत्रालय की स्थापना की है।

5. 'प्रारंभिक मूलधन' (Seed Funding) को परिभाषित कीजिए।

उत्तर-

– 'प्रारंभिक मूलधन' (Seed Funding) वह पहली वित्तीय सहायता है, जो किसी स्टार्टअप को उसके प्रारंभिक चरण में दी जाती है। यह एंजेल निवेशकों या मित्रों से प्राप्त होती है, जिसका उपयोग उत्पाद विकसित करने, बुनियादी संचालन शुरू करने और व्यवसाय की क्षमता साबित करने के लिए किया जाता है।

❑❑❑

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 91166 91119

Part – B
5 MARKS

RAS 2016 SPECIAL MAINS (GS-I)

1. Briefly describe the major promotional mix tools.

प्रमुख संवर्धन मिश्रण साधनों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

- **संवर्धन मिश्रण–** इसके अंतर्गत ऐसे समस्त निर्णय शामिल है जो विक्रय को प्रेरित या प्रोत्साहित करते हैं तथा एक फर्म को अपने लक्ष्यों तक पहुँचने में मदद करते हैं।
- संवर्धन मिश्रण साधन- इसमें 5 तत्व होते हैं।
  1. विज्ञापन- प्रिंट मिडिया, डायरेक्ट मेल, ऑडियो विजुअल मिडिया।
  2. व्यक्तिगत बिक्री- फर्म और व्यक्ति का सीधा संवाद।
  3. बिक्री संवर्धन- कम कीमत, कूपन, ब्याज मुक्त।
  4. प्रचार- समाचार पत्र, विज्ञप्ति, प्रेस सम्मेलन।
  5. जनसंपर्क- संगठन द्वारा दीर्घकालीन, सम्बन्ध विकसित करना।

2. Differentiate between Net Income Theory and Net Operating Income Theory of Capital Structure.

- **पूँजी संरचना अवधारणा में शुद्ध आय एवं शुद्ध संचालन आय के सिद्धांत में भिन्नताएँ बताइए।**

शुद्ध आय	शुद्ध संचालन आय
पूँजी संरचना से प्रासंगिकता होती है।	पूँजी संरचना से कोई प्रासंगिकता नहीं होती है।
पूँजी की लागत उत्तोलन (लिवरेज) में वृद्धि के साथ घट जाती है।	पूँजी की लागत उत्तोलन में वृद्धि के साथ स्थिर बनी रहती है।
ऋण घटकों में परिवर्तन से फर्म का मूल्य प्रभावित होता है।	ऋण घटकों में परिवर्तन से फर्म का मूल्य प्रभावित नहीं होता है।
यह सिद्धांत 100 प्रतिशत ऋण वित्तपोषण की सिफारिश करता है, इष्टतम पूँजी संरचना है।	यह सिद्धांत एक फर्म के मूल्य परिचालन आय और संबंधित व्यावसायिक जोखिम पर निर्भर करता है।
शुद्ध आय = परिचालन आय + (निवेश आय – ब्याज व्यय) + (असाधारण आय- असाधारण व्यय) – कर	परिचालन आय = सकल आय – सीओजीएस + परिचालन व्यय + मूल्य ह्रास

RAS 2016 MAINS (GS-I)

1. Explain wheel, chain and circle communication network.

चक्र, श्रृंखला एवं वृत्त सूचना तंत्र समझाइए।

- **चक्र सूचना तंत्र–** इस तंत्र में सभी अधीनस्थ केवल एक अधिकारी माध्यम से ही संप्रेषण करते हैं तथा वह अधिकारी चक्र का केन्द्र होता है।
- **श्रृंखला सूचना तंत्र–** संप्रेषण का यह माध्यम एक पर्यवेक्षक व उसके अधीनस्थ के मध्य स्थापित होता है।
- **वृत्त सूचना तंत्र–** इस तंत्र में संप्रेषण वृत्त के भीतर ही प्रसारित होता है। इसमें प्रत्येक व्यक्ति केवल अपने साथ के दो व्यक्तियों के साथ ही संप्रेषण करता हैं। यहाँ संप्रेषण का प्रवाह धीमा होता है।

2. Explain different stages of product life cycle.

उत्पादन जीवन चक्र की विभिन्न अवस्थाओं को समझाइए।

- उत्पाद की स्वीकार्यता से माँग समाप्ति के मध्य की अवधि उत्पाद जीवन चक्र कहलाती है। इसकी अवस्थाएँ निम्नलिखित हैं
- **प्रस्तुति (Introduction)–** यह उत्पाद को लोकप्रिय बनाने की अवस्था है, जिसमें बिक्री कम तथा प्राय: हानि होती है क्योंकि विज्ञापन पर बड़ी राशि खर्च होती है।
- **वृद्धि (Growth)–** वस्तु की जानकारी व माँग बढ़ने के साथ ही वस्तु की बिक्री में वृद्धि होती है।
- **परिपक्वता (Maturity)–** इस अवस्था में वस्तु लोकप्रिय बन जाती है व उसकी ब्रांड प्रसिद्ध हो जाती है।
- **प्रौढ़ता (Saturation)–** वस्तु की बिक्री सर्वाधिक स्तर पर पहुँचाने के साथ ही बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ जाती है। पतन एवं समाप्ति (Decline and Abandonment)– वस्तु की माँग एवं बिक्री घटने लगती है तथा धीरे-धीरे इसके स्थान पर एक नई तथा बेहतर वस्तु का जन्म होता है।

RAS 2018 MAINS (GS-I)

1. Explain the two factor theory of motivation.

अभिप्रेरण के द्वि-कारक सिद्धान्त को समझाइये ।

- अभिप्रेरण का द्वि-कारक सिद्धांत हर्जबर्ग के द्वारा दिया गया। अपने विस्तृत अध्ययन के द्वारा हर्जबर्ग ने यह व्यक्त किया है कि यह दो ऐसे मौलिक घटकों का वर्ग होता है, जिनके कारण कोई व्यक्ति अपने कार्य से संतुष्ट या असंतुष्ट होता है। हर्जबर्ग ने निम्नलिखित दो घटक बताए-

(i) आरोग्य घटक/पोषक घटक– हर्जबर्ग ने आठ आरोग्य घटक बताए है- वेतन, संगठन की नीतियाँ, अन्त: परस्पर संबंध, पर्यवेक्षण, सुरक्षा स्थिति एवं कार्य की दशाएँ पर्याप्त अथवा उपस्थित होने पर व्यक्ति संतुष्ट होगा अन्यथा असंतुष्ट।

(ii) उत्प्रेरणात्मक घटक/अभिप्रेरक घटक– चुनौतीपूर्ण कार्य, उपलब्धि, उत्तरदायित्व मान्यता, वृद्धि एवं विकास ये घटक भी कार्मिक की संतुष्टि हेतु उपस्थित होने चाहिए।

- आरोग्य घटक उपस्थित होने पर व्यक्ति सामान्य क्षमता के स्तर पर कार्य करेगा परन्तु क्षमता के उच्च स्तर को प्रोत्साहित करने के लिए उत्प्रेरणात्मक घटक आवश्यक है।

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 91166 91119

2. Explain the concept of wealth maximisation.
सम्पदा को अधिकतम करने की अवधारणा को समझाइये।

- सम्पदा अर्थात् धन को अधिकतम करने की अवधारणा वित्तीय प्रबंध की एक आधुनिक अवधारणा है। इसके अंतर्गत व्यवसाय का उद्देश्य, अपनी संपत्ति तथा उसके मूल्य को बढ़ावा देना होता है। यह सिद्धांत लाभ पर आधारित न होकर नकदी प्रवाह पर आधारित होता है। यह अवधारणा रुपये के वर्तमान मूल्य का ध्यान रखने के साथ-साथ जोखिम एवं अनिश्चितता का भी विश्लेषण करती है। यह दीर्घकालीन परिदृश्य पर आधारित धारणा है जो संपूर्ण नकदी प्रवाह की वर्तमान लागत से तुलना करती है। शेयर धारकों की सम्पत्ति भी इसमें समाहित होने से मालिक व निवेशकों दोनों को अधिकतम लाभ प्राप्त होता है तथा सभी हितधारकों का हित सुनिश्चित होता है।

2021

1. Explain Need – Hierarchy Theory as per A.H. Maslow.
ए.एच. मास्लो के अनुसार आवश्यकता क्रमबद्धता सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।

5	आत्मविकास की आवश्यकता – अपनी अलग पहचान की इच्छा।
4	स्व सम्मान की आवश्यकता – समाज में मान्यता प्राप्त करना।
3	सामाजिक सुरक्षा संबंधी आवश्यकता – प्रेम, लगाव, आत्मीयता।
2	सुरक्षा आवश्यकताएं – संपत्ति व शारीरिक सुरक्षा।
1	शारीरिक आवश्यकताएं - भूख, प्यास, नींद।

- अब्राहम मास्लो ने 1943 ई. में मनुष्य में पाई जाने वाली इच्छाओं का एक पदसोपानिक क्रम प्रस्तुत किया। इनके अनुसार क्रमिक रूप से जब एक आवश्यकता की पूर्ति हो जाती है तो उच्च स्तरीय इच्छाएं जागृत होती हैं। मास्लो के अनुसार संतुष्ट इच्छाएँ ही अभिप्रेरक होती हैं।

2. Explain Product Life Cycle (PLC) with characteristics of any two stages.
किन्हीं दो चरणों की विशेषताओं के साथ उत्पाद जीवन चक्र (पी.एल.सी.) का वर्णन कीजिए।

- **उत्पाद जीवन चक्र –**
नया उत्पाद → प्रस्तुतीकरण → विकास → परिपक्वता → संतृप्ती → पतन → नया उत्पाद

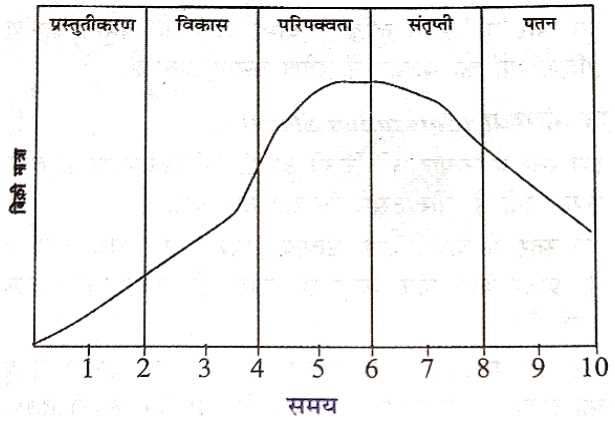

I. प्रस्तुतीकरण अवस्था – उत्पाद का बाजार में पदार्पण किया जाता है। ग्राहकों को उत्पाद के संदर्भ में जानकारी दी जाती है। उत्पादन व वितरण की लागत अधिक होने से लाभ कम होता है। इस चरण में प्रतियोगिता बहुत कम होती है। उत्पाद को बाजार में स्थापित करने हेतु विक्रय संवर्धन एवं विज्ञापन का सहारा लिया जाता है।

II. विकास अवस्था – बिक्री की दर बढ़ना शुरू होती है। उत्पाद व्यापारियों एवं उपभोक्ताओं द्वारा स्वीकार कर लिया जाता है। उत्पाद लोकप्रिय होने लगता है। प्रतिस्पर्धी कंपनियाँ भी इस प्रकार के उत्पाद बनाना शुरू कर देती है। प्रतियोगिता बढ़ने के बावजूद लाभ एवं बिक्री बढ़ती है।

RAS 2023 MAINS (GS-I)

1. त्रि-आवश्यकता सिद्धांत का प्रतिपादन किसने किया? उन तीन आवश्यकताओं की सूची बनाकर संक्षेप में बताएँ।
Who propounded the three-need theory? List and briefly explain those three needs.

उत्तर- त्रि-आवश्यकता सिद्धांत का प्रतिपादन डेविड मैक्लीलैण्ड ने किया इन्होंने इस सिद्धांत को 3 तरह की प्रेरक आवश्यकताओं के आधार पर विकसित किया।

1. **शक्ति की आवश्यकता-** ऐसे व्यक्ति दूसरों का प्रभावित करने के लिए नियंत्रण व नेतृत्व की इच्छा रखते हैं।
2. **संबद्धता की आवश्यकता-** इस वर्ग में वे व्यक्ति शामिल होते है जो सामाजिक प्रवृत्ति के होते हैं। सामाजिक मान्यता उनको प्रेरणा प्रदान करती है।
3. **उपलब्धि की आवश्यकता-** इस वर्ग में वे व्यक्ति शामिल होते है जो सफलता की चुनौती और विफलता के डर से संचालित होते हैं।

2. भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के अनुसार विभिन्न प्रकार की NBFCs क्या हैं?
What are the different types of NBFCs according to Reserve Bank of India (RBI)?

उत्तर- NBFCs एक ऐसी कम्पनी जो कंपनी अधिनियम 1956 के तहत् पंजीकृत हो और ऋण, निवेश अग्रिम और अन्य वित्तीय सेवाएँ प्रदान करती है लेकिन इसे पूर्ण बैकिंग लाईसेंस प्राप्त नहीं होता है। RBI के अनुसार NBFCS की उनके सेवाओं व कार्यों के आधार पर वर्गीकृत किया है –

1. NBFC – इनवेस्टमेंट एंड क्रेडिट कंपनी।
2. NSFC – माइक्रो फाइनेंस इस्टीट्यूशन
3. NDFC – फैक्टर बिल डिस्काउटिंग व फैक्टरिंग सेवाए प्रदान करते है।
4. NBFC – इन्फ्रास्ट्रक्चर फाईनेस कम्पनी
5. NBFC – इन्फ्रास्ट्रक्चर डेब्ट फंड
6. NBFC – कॉर इन्वेस्टमेंट कम्पनी
7. NBFC – हाउसिंग फाइनेंस कम्पनी
8. NBFC – पीर-टू-पीर लैडिंग प्लेटफार्म
9. NBFC – एकाउंट एग्रीगेटर
10. NBFC – Non depositing taking, deposit taking

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 91166 91119

RAS 2024 MAINS (GS-I)

1. संघर्ष-उत्तेजना की चार तकनीकों को सूचीबद्ध कीजिए और संक्षेप में समझाइए।

उत्तर-

– संघर्ष-उत्तेजना (Conflict Stimulation) एक प्रबंधकीय हस्तक्षेप है जिसका उद्देश्य संगठन या समूह के भीतर जानबूझकर एक इष्टतम और रचनात्मक संघर्ष स्तर को स्थापित करना है, ताकि निष्क्रियता को तोड़ा जा सके और बेहतर निर्णय लिए जा सकें।

संघर्ष-उत्तेजना की चार प्रमुख तकनीकें निम्नलिखित हैं:

1. **संचार बढ़ाना:** विभिन्न माध्यमों से सूचना के प्रवाह को बढ़ाना, जिससे अधिक विविध दृष्टिकोण सामने आते हैं और लोग खुलकर अपनी राय व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित होते हैं। यह रचनात्मक बहस को जन्म देता है।
2. **विविध टीमों का निर्माण:** जानबूझकर विभिन्न पृष्ठभूमि, कौशल सेट और दृष्टिकोण वाले व्यक्तियों को एक साथ लाना। यह विचारों के टकराव को प्रेरित करता है, जिससे समस्याओं को हल करने के लिए अभिनव और नए विचार उत्पन्न होते हैं।
3. **संगठनात्मक संरचना में बदलाव :** नौकरी की जिम्मेदारियों को फिर से परिभाषित करना या रिपोर्टिंग संबंधों (जैसे मैट्रिक्स संरचना का उपयोग) को बदलना। यह कर्मचारियों को नए समूहों और नए दृष्टिकोणों के संपर्क में लाता है, पुराने, निष्क्रिय संबंधों को चुनौती देता है और सकारात्मक बदलाव की संभावना उत्पन्न करता है।
4. **लक्ष्य अस्पष्टता बढ़ाना:** कुछ लक्ष्यों को जानबूझकर थोड़ा अस्पष्ट या अनिश्चित रखना। यह अस्पष्टता टीमों को लक्ष्य को प्राप्त करने के सर्वोत्तम तरीकों, आवश्यक संसाधनों और रणनीतियों पर चर्चा और बहस करने के लिए मजबूर करती है, जिससे सक्रिय संघर्ष-उत्तेजना होती है।

2. वित्तीय व्युत्पन्नों (Derivatives) से आपका क्या अभिप्राय है? वित्तीय व्युत्पन्नों के विभिन्न प्रकारों की सूची बनाइये।

उत्तर-

– वित्तीय व्युत्पन्न ऐसे वित्तीय अनुबंध (financial contracts) होते हैं जिनका मूल्य किसी आधारभूत परिसंपत्ति (Underlying Asset) – जैसे शेयर, बॉन्ड, कमोडिटी (commodity), मुद्रा (currency), या सूचकांक (index) के मूल्य से व्युत्पन्न (derived) होता है। इनका अपना कोई आंतरिक मूल्य (intrinsic value) नहीं होता; इनका मूल्य हमेशा उस आधारभूत परिसंपत्ति के बाजार मूल्य में होने वाले उतार-चढ़ाव पर निर्भर करता है।

वित्तीय व्युत्पन्नों के चार सबसे प्रमुख प्रकार निम्नलिखित हैं:

1. **फ़ॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट (Forward Contracts)** : यह दो पक्षों के बीच एक निजी ओवर-द-काउंटर (OTC) समझौता होता है। इसके तहत एक पक्ष भविष्य की एक निश्चित तिथि पर, आज तय किए गए मूल्य पर किसी परिसंपत्ति को खरीदने (या बेचने) के लिए सहमत होता है।
   – विशेषता: ये मानकीकृत (standardized) नहीं होते हैं और इन्हें एक्सचेंज पर ट्रेड नहीं किया जाता। इनमें काउंटरपार्टी जोखिम (Counterparty Risk) अधिक होता है।
2. **फ़्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट (Futures Contracts)** : यह एक मानकीकृत अनुबंध होता है जो किसी एक्सचेंज पर ट्रेड होता है। यह धारक को भविष्य की एक निश्चित तिथि पर पूर्व-निर्धारित मूल्य पर आधारभूत परिसंपत्ति की खरीद/बिक्री का कानूनी दायित्व (Obligation) देता है।
   – विशेषता: चूंकि ये एक्सचेंज के माध्यम से होते हैं, इसलिए इनमें फ़ॉरवर्ड की तुलना में काउंटरपार्टी जोखिम कम होता है।
3. **ऑप्शन कॉन्ट्रैक्ट (Option Contracts)**: यह ऐसा अनुबंध है जो धारक को एक निश्चित तिथि तक या उस दिन, निर्दिष्ट मूल्य (स्ट्राइक प्राइस) पर अंतर्निहित परिसंपत्ति को खरीदने या बेचने का "अधिकार" (Right) देता है, पर "अनिवार्यता" (Obligation) नहीं देता।
   – कॉल ऑप्शन (Call Option): खरीदने का अधिकार।
   – पुट ऑप्शन (Put Option): बेचने का अधिकार।
4. **स्वैप (Swaps)**: यह दो पक्षों के बीच एक समझौता होता है जिसमें वे भविष्य की विभिन्न तिथियों पर नकदी प्रवाह (Cash Flows) की आपस में अदला-बदली करते हैं।
   – विशेषता: सबसे आम स्वैप हैं- ब्याज दर स्वैप (एक पक्ष स्थिर दर के भुगतान को परिवर्ती दर के भुगतान से बदलता है) और मुद्रा स्वैप। ये भी आमतौर पर OTC बाजार में ट्रेड किए जाते हैं।

– वित्तीय व्युत्पन्न जोखिम प्रबंधन (hedging), सट्टा (speculation) और आर्बिट्राज के लिए महत्त्वपूर्ण आधुनिक वित्तीय औज़ार हैं।

❑❑❑

UTKARSH CLASSES | support@utkarsh.com | : 91166 91119